यह बिहार का पहला एक्सप्रेस-वे जो पूरी तरह राज्य की सीमाओं के भीतर होगा

पटना-पूर्णिया को राष्ट्रीय एक्सप्रेस-वे का दर्जा मिला

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। पटना-पूर्णिया एक्सप्रेसवे को केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय एक्सप्रेस-वे का दर्जा दे दिया है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने इस एक्सप्रेसवे को नेशनल एक्सप्रेसवे-9 (एनई-9) घोषित किया है। यह बिहार का पहला ऐसा एक्सप्रेस-वे होगा जो पूरी तरह से राज्य की सीमाओं के भीतर ही बन रहा है।

पटना-पूर्णिया एक्सप्रेस-वे को समस्तीपुर, सहरसा और मधेपुरा जिला मुख्यालयों से जोड़ने के लिए अलग से संपर्क मार्ग बनाया जाएगा। पिछले दिनों छह लेन ग्रीनफील्ड इस एक्सप्रेस-वे को बिहार सरकार ने मंजूर किया था। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अनुरोध पर मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने इसकी सहमति दी थी। बिहार ने केंद्र से अनुरोध किया है कि वह जल्द इसकी निविदा प्रकाशित करे ताकि इस साल निर्माण कार्य शुरू किया जा सके।

निर्माण एजेंसी 60 फीसदी राशि खर्च करेगी: पीपीपीएसी के तहत इस परियोजना का निर्माण हैम मोड में होगा। यानी निर्माण एजेंसी 60 फीसदी राशि खुद खर्च करेगी। 40 फीसदी राशि केंद्र सरकार वहन करेगी। निर्माण एजेंसी को टोल प्लाजा से पैसे की भरपाई की जाएगी। 15 साल तक एजेंसी इस सड़क की देख-रेख करेगी।

वैशाली जिले के सराय टोल प्लाजा के समीप एनएच 22 के मीरनगर अराजी गांव से शुरू होने वाला यह एक्सप्रेस-वे समस्तीपुर, दरभंगा, सहरसा और मधेपुरा होते हुए पूर्णिया में एनएच 27 के चांद भठ्ठी के समीप हंसदाह में समाप्त होगा। इस सड़क के बन जाने से पटना से पूर्णिया मात्र तीन घंटे में सफर किया जा सकेगा। दिघवाड़ा से शेरपुर के बीच बनने वाले पुल से इसकी कनेक्टिविटी बिहटा एयरपोर्ट से हो जाएगी। हाजीपुर के सराय, जेपी सेतु के सामने भी इसका सम्पर्क होगा। पटना रिंग रोड का हिस्सा रहे दिघवारा को इस एक्सप्रेस-वे से जोड़ा जाएगा। तीन पैकेज में बनने वाली यह सड़क गेमचेंजर साबित होगी।

यह पथ एनई-9 के नाम से जाना जाएगा

भूमि का उचित मुआवजा

इस सड़क के लिए 100 मीटर चौड़ाई में 3381.2 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण होगा। इससे पूर्व प्राक्कलित न्यूनतम मूल्य के विशेष पुनरीक्षण के लिए जिलों को निर्देश दिया गया है। इसका मकसद है कि किसान व भू-स्वामी को उनकी भूमि के बदले उचित एवं वर्तमान बाजार दर पर आधारित मुआवजा मिल सके।

"ये बिहार के लिए गर्व का क्षण है। इसके बन जाने से पटना से पूर्णिया की यात्रा केवल 3 घंटे में पूरी होगी। परियोजना के लिए 6 जिलों के 29 प्रखंडों के 250 से अधिक गांवों में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेजी से चल रही है।

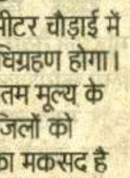

-नितिन नबीन, मंत्री, पथ निर्माण विभाग

15 साल तक इस सड़क का देखरेख करेगी निर्माण एजेंसी

- पटना रिंग रोड का हिस्सा रहे दिघवारा को एक्सप्रेस-वे से जोड़ा जाएगा

एक नजर में परियोजना

- 244.930 किमी लंबा है एक्सप्रेस-वे
- 6 लेन एक्सप्रेस-वे ग्रीनफील्ड होगा
- 06 जिले, 47 प्रखंड व 650 गांवों से होकर गुजरेगी सड़क
- 28415.63 करोड़ इस परियोजना पर होगा खर्च
- 03 घंटे में पटना से पूर्णिया का सफर होगा पूरा